सुन्नी-शिमला(हि.प्र.)। सेवाकेन्द्र द्वारा नवनिर्मित भवन के उद्घाटन एवं चरित्र निर्माण आध्यात्मिक सम्मेलन में राज्यपाल महोदय आचार्य देवव्रत को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. कौशल्या तथा ब्र.कु. रेवादास।

जयपुर बापूनगर। रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् रेवेन्यु मिनिस्टर अमराराम चौधरी के साथ ब्र.कु.जयन्ती तथा ब्र.कु.एकता।

आईजॉल-मिजोरम। राज्यपाल महोदय लेफ्टिनेंट जनरल निर्भय शर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी ज्योत्सना शर्मा को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. नर्मदा। साथ हैं ब्र.कु. दीपा।

परमात्म प्रेम है तो जीवन है

- ब्र.कु. प्रवेश,ओ.आर.सी.,गुरूग्राम

विश्व में प्रेम शांति एकता एवं नम्रता जैसे गुणों का संचार होने लगता है जब व्यक्तित्व में पारदर्शिता एवं दिव्यता आ जाती है। विश्व को एक परिवार मानकर हम चलने लग जाते हैं जब हो जाता है परमात्मा से प्रेम।

प्रेम जीवन की यथार्थ नियंत्रक शक्ति है।

जीवन रूपी घोड़े को प्रेम रूपी लगाम द्वारा ही नियंत्रित किया जा सकता है। प्रेम को परिभाषित करते हुए एक दार्शनिक ने कहा है कि अपने समस्त कर्मों को परमात्मा को समर्पण करके, परमात्मा के लिए समर्पित हो जाना ही सच्चा प्रेम है। प्रेमी हृदय उदार होता है। वह दया और क्षमा का स्वरूप होता है। प्रेम की अवस्था को प्राप्त करना ही सिद्ध अवस्था है। प्रेम एक ऐसी दिव्य औषधि है, जिसका रसपान करने से जीवात्मा के जन्म-जन्मांतर के पाप व दु:ख के जो भी मूल कारण हैं, जलकर भस्म हो जाते हैं। प्रेम एक चुम्बकीय शक्ति है, जिसके प्रयोग से अजामिल जैसे पापी का भी हृदय परिवर्तन किया जा सकता है। महात्मा बुद्ध के द्वारा अंगुलीमाल का हृदय परिवर्तन होना, प्रेम की शक्ति का एक अद्भुत उदाहरण है। परमात्मा भी यही कहते हैं कि जो मुझे दिल से याद करता है, वो सदैव मेरे हृदय में वास करता है।

आज का समाज पूरी तरह से गिर चुका है। सभी एक दूसरे का असम्मान, चरित्रहनन और अनैतिकता के साथ जुड़े हुए हैं। ऐसी संकटकालीन स्थिति में हमें आध्यात्मिकता एवं नैतिकता ही एकमात्र मार्ग नज़र आता है। आध्यात्मिक शक्ति के आधार से ही समाज में फैले हुए विकारों के प्रदूषण को समाप्त किया जा सकता है। गहराई से चिंतन करने से हमें ज्ञात होता है कि विकारों का असली जनक देह-अभिमान है, जिससे विकारों की उत्पत्ति होती है।

वास्तव में आत्मा अजर-अमर और अविनाशी है, शरीर जड़ है। आत्मा एक चैतन्य शक्ति है, जब तक सत्य-असत्य, प्रेम और द्वेष के अंतर को स्पष्ट रूप से नहीं जाना जाता, तब तक हमारे अंतरमन से विकारों का ज़हर नहीं मिट सकता। दैहिक प्रेम घृणा, ईष्या, द्वेष, बदले की भावना को जन्म देता है। आत्मिक, परमात्मिक प्रेम से आध्यात्मिक एवं नैतिक मूल्यों की वृद्धि होती है।

जैसे कि गीता में भी वर्णित है कि जब धर्मग्लानि होती है, तब परमात्मा अवतरित होकर अधर्म का विनाश और आदि सनातन देवी-देवता धर्म की स्थापना करते हैं। कितना अनोखा और विचित्र संयोग है। राजयोग के गहन अभ्यास द्वारा जीवात्मा विकारों की अग्नि को समाप्त कर ज्ञान की शीतलता से भरपूर हो जाती है। जब आत्माएं ईश्वरीय ध्यान की उच्चतम अनुभूति की आनंदमय अवस्था को प्राप्त कर लेती है, तो उनका मन-मयूर प्रफुल्लित हो उठता है।

परमात्मा से जब हमारी प्रीत जुट जाती है, उस प्रीत से हम हर सम्बन्ध का सुख लेते हैं, जिससे हमारे अंदर तो प्रेम की जागृति होती ही है, साथ ही विश्व में प्रेम, शान्ति, एकता एवं दिव्यता जैसे गुणों का संचार होने लगता है। हमारे व्यक्तित्व में पारदर्शिता एवं दिव्यता की झलक स्वत: दृष्टिगोचर होती है। विश्व एक परिवार है, बेहद की ये श्रेष्ठ भावना पैदा हो जाती है। तो आईये प्यारे भाइयों और बहनों, हम सब परमात्म प्रेम में खो जायें और आत्माओं को खुले दिल से स्वीकार कर उनके अंदर भी शाश्वत प्रेम जागृत करें। यही सबसे बड़ा पुण्य है।

मलेशिया-कुआला लम्पुर। इंडिया हाउस में भारत की 71वीं स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के पश्चात् चित्र में टी.एस. त्रिमूर्ति, इंडियन हाई कमीश्नर,कुआला लम्पुर, ब्र.कु. शीलू दीदी, माउण्ट आबू, ब्र.कु. मीरा दीदी तथा अन्य।

सम्बलपुर-ओडिशा। आई.ए.एस.,कलेक्टर एंड डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट समर्थ वर्मा को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु.पार्बती।

कलायत-हरियाणा। सीनियर मेम्बर ऑफ कांग्रेस बिल्लू चंदन,कैथल को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु.रेखा।

टोंक-राज.। विधान सभा क्षेत्र के विधायक अजीत सिंह मेहता को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु.रानी एवं ब्र.कु. रितु।

धुबरी-असम। जिलाधीश धीरज चौधरी एवं सहायक बिक्री कर आयुक्त सुब्रत चक्रवर्ती को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् समूह चित्र में उनके साथ ब्र.कु.संध्यालिका तथा अन्य।

फाजिलनगर-उ.प्र.। बाढ़ पीड़ितों की सहायता हेतु राहत सामग्री भेजते हुए ब्र.कु. भारती, ब्र.कु. सूरज, ब्र.कु. उमेश, ब्र.कु. प्रीति, ब्र.कु. सावित्री तथा अन्य।

बौरिया-उ.प्र.। ज्ञानचर्चा के पश्चात् चित्र में विधायक सुरेन्द्र सिंह, ब्र.कु. पुष्पा, ब्र.कु. समता, ब्र.कु. अजय तथा अन्य।